संक्षेप में

यम रेस्टोरेंट (इंडिया) को 162 करोड़ रु का मुनाफा

यम रेस्टोरेंट (इंडिया) ने वित्त वर्ष 2023-24 में 162.04 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया, जबकि इस दौरान उसका परिचालन राजस्व 6.6 प्रतिशत बढ़कर 689.93 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय बाजार में पिज्जा हट और केएफसी जैसे ब्रांडों का स्वामित्व रखने वाली यम रेस्टोरेंट ने कंपनी पंजीयक (आरओसी) को यह जानकारी दी। यम रेस्टोरेंट (इंडिया) की कुल आय 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में 13.4 प्रतिशत बढ़कर 832.05 करोड़ रुपये हो गई। इसमें देवयानी इंटरनैशनल लिमिटेड में कंपनी के निवेश की बिक्री से हुई आय शामिल है। व्यावसायिक खूफिया मंच टोफ्लर के जरिये हासिल किए गए वित्तीय आंकड़ों के मुताबिक यम रेस्टोरेंट (इंडिया) ने वित्त वर्ष 2023-24 में 142.11 करोड़ रुपये की अन्य आय दर्ज की। कंपनी ने इससे एक साल पहले वित्त वर्ष 2022-23 में 108.17 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया था और इस दौरान उसका परिचालन राजस्व 647.34 करोड़ रुपये था। *भाषा*

2029 में चालू होगा भूटान का संयंत्र : टाटा पावर

टाटा पावर के सीईओ और प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा कि भूटान में 6,900 करोड़ रुपये की खोरलोचू जलविद्युत परियोजना का निर्माण कार्य शुरू हो गया है और संयंत्र के 2029 तक चालू होने की संभावना है। यह 600 मेगावॉट की परियोजना पड़ोसी देश के पूर्वी हिस्से में खोलोंगचू नदी पर विकसित की जा रही है। भारत के बाहर जलविद्युत परियोजनाओं की योजनाओं पर एक सवाल के जवाब में सिन्हा ने बताया, 'हम भूटान पर नजर रख रहे हैं। खोरलोचू में 600 मेगावॉट की परियोजना के लिए काम पहले ही शुरू हो चुका है... सुरंग का काम चल रहा है।' उन्होंने कहा कि परियोजना सितंबर 2029 में चालू होने की उम्मीद है। टाटा पावर और भूटान स्थित ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीजीपीसी) ने अगस्त में 6,900 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से जलविद्युत परियोजना विकसित करने के लिए साझेदारी की थी। इस साझेदारी के तहत टाटा पावर का सार्वजनिक-निजी भागीदारी वाली कंपनी खोरलोचू हाइड्रो पावर लिमिटेड में 40 प्रतिशत इक्विटी निवेश शामिल है। *भाषा*

विलय और अधिग्रहण सौदे नवंबर तक 13.5% बढ़े



जारी रहेगी तेज रफ्तार

- विलय और अधिग्रहण के सौदे पहले 11 महीनों में ही 88.9 अरब डॉलर के मूल्य पर पहुंच गए हैं
- साल 2024 के पहले 11 महीने की इस अवधि में सौदों की संख्या 25.9 प्रतिशत बढ़कर 2,811 हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2,232 सौदे किए गए थे
- क्रिसमस की छुट्टियों के कारण आम तौर पर साल के आखिरी सप्ताहों में विलय और अधिग्रहण के सौदे खासे धीमे पड़ जाते हैं
- बैंकरों को उम्मीद कि साल 2025 में भी इन सौदों में मजबूती कायम रहेगी क्योंकि कई बड़े सौदे होने हैं

जेडन मैथ्यू पॉल और देव चटर्जी
मुंबई, 8 दिसंबर

साल 2024 में निवेश बैंकरों को भारी-भारकम बोनस रकम मिलने की उम्मीद है। इसकी वजह विलय और अधिग्रहण सौदों में इजाफा है। ये सौदे पिछले साल की तुलना में 13.5 प्रतिशत बढ़े और साल के पहले 11 महीनों में ही 88.9 अरब डॉलर के मूल्य पर पहुंच गए हैं। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। बैंकरों को उम्मीद है कि साल 2025 भी रिकॉर्ड वाला साल होगा, क्योंकि अच्छा आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और निजी इक्विटी द्वारा निवेश के लिए बची राशि का इस्तेताल सौदे करने के लिए अनुकूल माहौल बना रहे हैं।

पीडब्ल्यूसी इंडिया में पार्टनर (डील लीडर) भाविन शाह ने कहा, 'स्थिर ब्याज दरों, धीमी मुद्रास्फीति तथा निजी और सार्वजनिक फंडों के पास बिना इस्तेमाल वाली राशि के रूप में प्रचुर निवेश पूंजी उपलब्ध होने से साल 2025 में सौदों की गतिविधियां मजबूत रहने की उम्मीद है, जो साल 2024 में हासिल रफ्तार पर आधारित होगी।' शाह ने कहा, 'ये अनुकूल हालात कंपनियों को खास तौर पर डिजिटल परिवर्तन और रणनीतिक अधिग्रहण के जरिये वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।'

साल 2024 के पहले 11 महीनों के दौरान में सौदों की संख्या 25.9 प्रतिशत बढ़कर 2,811 हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2,232 सौदे किए गए थे। क्रिसमस की छुट्टियों के कारण आम तौर पर साल के आखिरी सप्ताहों में विलय और अधिग्रहण के सौदे खासे धीमे पड़ जाते हैं। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार इस साल के सबसे बड़े सौदों में क्वालिटी केयर इंडिया और एस्टर डीएम हेल्थकेयर का विलय शामिल है, जिसका मूल्य 5.08 अरब डॉलर था। इसके बाद भारती एंटरप्राइजेज द्वारा बीटी ग्रुप में 4.08 अरब डॉलर में 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण और गोदरेज परिवार में 3.5 अरब डॉलर में पारिवारिक निपटान वाला लेन-देन शामिल है।

साल 2024 के रुझानों से पता चलता है कि शुरुआती चरण के निवेश और छोटे आकार वाले सौदे बरकरार रहेंगे। लेकिन जैसे-जैसे पूंजी सस्ती होती जाएगी, बड़े सौदे सामने आने की संभावना होगी। इस गतिविधि को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में विनिर्माण, उपभोक्ता वस्तु, आईटी, फार्मा, स्वास्थ्य सेवा और रियल एस्टेट शामिल हैं। इसके अलावा निवेश की जरूरतों और समेकन दोनों के कारण वित्तीय सेवाओं में वृद्धि दिखने की उम्मीद है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत में पार्टनर विशाल अग्रवाल ने कहा कि पूंजी बाजार में तेजी रहने की उम्मीद है और ब्याज दरों में कमी आने के आसार से बाजार में अधिक तरलता आ सकती है। हालांकि इससे विलय और अधिग्रहण तथा निजी इक्विटी (पीई) निवेश के सीमित अवसर हो सकते हैं। इसके बावजूद उनका मानना है कि बाजार सार्वजनिक और पूंजी दोनों ही बाजारों की मदद के लिए विकसित होगा।

ग्राहकों को रिझाने की तैयारी

सर्विस नेटवर्क बेहतर कर रहीं ई-दोपहिया फर्में



नाशिक में हाल ही में शुरू किया गया एथर गोल्ड सर्विस सेंटर

अंजलि सिंह
मुंबई, 8 दिसंबर

इलेक्ट्रिक दोपहिया उद्योग में खरीद के बाद सर्विसिंग के मामले में उपभोक्ताओं की बढ़ती शिकायतों के बीच दो-पहिया विनिर्माता अब ग्राहकों की बढ़ रही अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अपने सर्विस नेटवर्क को अपग्रेड करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उद्योग की ओला इलेक्ट्रिक, एथर एनर्जी, काइनेटिक ग्रीन और बीगॉस जैसी अग्रणी कंपनियां आफ्टर सेल सहायता और ग्राहक की संपूर्ण संतुष्टि में सुधार करने के लिए प्रीमियम सेवा पहल और बुनियादी ढांचे में सुधार कर रही हैं।

देश के ईवी दोपहिया बाजार में अग्रणी कंपनी एथर एनर्जी ने हाल ही में एथर गोल्ड सर्विस सेंटर शुरू किए हैं, जो उसका अब तक का बेहतरीन स्तर वाला सेवा अनुभव है। ये सेवा केंद्र ज्यादा बड़े स्थानों, ग्राहकों के बैठने लिए लाउंज रूम, बेहतर रूप से प्रशिक्षित सेवा कर्मचारियों के साथ-साथ प्रीमियम लुक और अनुभव से लैस हैं। पहला गोल्ड सेंटर महाराष्ट्र के नाशिक में खोला गया था।

एथर अपने सभी 215 सेवा केंद्रों को गोल्ड सर्विस सेंटर में तब्दील करने की योजना बना रही है। इसके अलावा एथर की एक्सप्रेसकेयर यह सुनिश्चित करती है कि वाहनों की 60 मिनट के भीतर सर्विस हो जाए और तैयार हो जाए। एथर एनर्जी के सह-संस्थापक और मुख्य कार्य अधिकारी तरुण मेहता ने कहा, 'एथर ने हमेशा ही सेवा को प्राथमिकता दी है और गोल्ड सेंटर इसे एक कदम आगे ले जाते हैं।' ग्राहकों को सहज अनुभव मिल रहा है, यह सुनिश्चित करने के लिए इन केंद्रों के कर्मचारियों को कड़े प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है, जिसमें तकनीकी और सॉफ्ट स्किल दोनों ही शामिल रहते हैं।

एथर अपनी एथर केयर सेवा योजना, सर्विस कार्निवल तथा शिकायतों के समय पर समाधान पर ध्यान केंद्रित करने जैसी पहलों के साथ ग्राहकों से भी लगातार जुड़ रही है। ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में दिसंबर 2024 तक अपने स्टोर नेटवर्क को चौगुना करके 4,000 स्थानों पर पहुंचाने की योजना का खुलासा किया है, जिसका लक्ष्य देश का सबसे बड़ा ईवी वितरण नेटवर्क स्थापित करना है।

500 से अधिक अधिकृत डीलरशिप और सर्विस सेंटर के साथ काम करने वाली काइनेटिक ग्रीन भी आफ्टर सेल सर्विस पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी स्थानीय गैराज कर्मचारियों के लिए इलेक्ट्रिक दोपहिया की मरम्मत का विशेष और गहन प्रशिक्षण उपलब्ध करा रही है। इसने ग्राहकों की सहायता के लिए पांच साल की वारंटी, हर समय उपलब्ध रोडसाइड सहायता और कॉल सेंटर जैसी सुविधाएं शुरू की हैं।

रियल्टी कंपनियों ने 71 हजार करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं

भारत की 26 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों के दौरान 71,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां बेची हैं। इनमें गोदरेज प्रॉपर्टीज ने सबसे अधिक बिक्री बुकिंग दर्ज की है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी से संकलित आंकड़ों के अनुसार 26 प्रमुख सूचीबद्ध रियल्टी कंपनियों ने 2024-25 की अप्रैल-सितंबर छमाही के दौरान 71,219 करोड़ रुपये की कुल बिक्री बुकिंग दर्ज की। बिक्री बुकिंग का बड़ा हिस्सा आवासीय संपत्तियों से आया।

बिक्री बुकिंग के मामले में गोदरेज प्रॉपर्टीज चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 13,835 करोड़ रुपये के आंकड़े के साथ सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी बनकर उभरी। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने 7,288 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की थी। लोढ़ा ब्रांड के तहत संपत्ति बेचने वाली मुंबई स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड ने इस साल अप्रैल-सितंबर के दौरान 8,320 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी रियल्टी फर्म डीएलएफ लिमिटेड ने 7,094 करोड़ रुपये की संपत्ति बेची। इसके बाद बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और दिल्ली - एनसीआर स्थित सिग्नेचर ग्लोबल का स्थान रहा। *भाषा*

लॉकटन 4 साल में अमेरिका के बाहर कारोबार करेगी दोगुना

आतिरा वारियर
मुंबई, 8 दिसंबर

हाल में अरिहंत इंश्योरेंस ब्रोकर के अधिग्रहण के साथ भारतीय बीमा बाजार में किया है प्रवेश

हाल ही में भारतीय बीमा क्षेत्र में प्रवेश करने वाली विश्व की सबसे बड़ी निजी इंश्योरेंस ब्रोकर लॉकटन का लक्ष्य अगले चार में अमेरिका के बाहर अपने कारोबार को दोगुना करने का है। कंपनी का ध्यान भी भारत पर है। लॉकटन इंटरनैशनल होल्डिंग्स के मुख्य कार्य अधिकारी क्रिस ब्राउन ने कहा, 'हमारी सामान्य योजना हमेशा खुद से बढ़ने की है। पिछले साल हमारी जबरदस्त वृद्धि रही। वैश्विक स्तर पर हमारी करीब 14 फीसदी वृद्धि हुई। इसलिए, हम दुनिया के जिस भी देश में हैं वहां हमारी वृद्धि बरकरार रही।'

बिज़नेस स्टैंडर्ड के साथ बातचीत में ब्राउन ने कहा, 'अमेरिका के बाहर, हम अगले चार साल में अपना कारोबार दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं और जिन देशों में हम हैं वहां अपने बाजार का आकार भी बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। हमारी कई नए देशों पर भी नजर है और जाहिर है, भारत भी इनमें एक है।'

इंश्योरेंस ब्रोकर ने हाल में भारतीय बीमा बाजार में प्रवेश किया है और एक रणनीतिक पहल के तहत अरिहंत इंश्योरेंस ब्रोकर का अधिग्रहण किया है। इससे भारत के ब्रोकिंग बाजार में उसका प्रवेश हो जाएगा। ब्रोकर ने संदीप दादिया को अपने भारतीय कारोबार का मुख्य कार्य अधिकारी और कंट्री हेड नियुक्त किया है। दादिया इससे पहले आदित्य बिड़ला इंश्योरेंस ब्रोकर के मुख्य कार्य अधिकारी थे।

दादिया ने कहा, 'हमारी रणनीति पूरी तरह खुद से बढ़ने की है। देश के इंश्योरेंस ब्रोकिंग बाजार में प्रवेश के लिए अरिहंत का अधिग्रहण पूरी तरह से रणनीतिक पहल थी। इसलिए, अभी यह छोटी ब्रोकिंग कंपनी है। लेकिन हम तुरंत भारतीय बाजार में प्रवेश करना चाहते हैं।'

लॉकटन इंडिया ने जोखिम के आधार पर और बाजार की जरूरतों के मुताबिक अनुकूलित और जोखिम आधारित विशिष्ट समाधान बनाकर वाणिज्यिक क्षेत्र के साथ-साथ मोटर और स्वास्थ्य बीमा कारोबार पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बनाई है।

दादिया ने कहा, 'हम निश्चित रूप से वाहन बीमा में जाएंगे। योजना खुदरा स्वास्थ्य बीमा के साथ वाहन बीमा बेचने की है। लेकिन, यह वैसा समाधान नहीं होगा जो बाजार में मौजूद है। हम खास समाधान तैयार करने जा रहे हैं। उनमें से हर एक की जरूरतें और जोखिम अलग-अलग हैं। हम उन सभी के लिए जोखिम समाधान प्रदान करने जा रहे हैं।' इंश्योरेंस ब्रोकर कंपनी का मुख्यालय मुंबई में रहेगा और देश के सात स्थानों पर इसके दफ्तर रहेंगे। कंपनी की योजना साल 2026 के अंत तक 200 लोगों को रखने की है।

सवाल जवाब

निवेश के लिए बेहतर कंपनी ढूंढने में धैर्य, किस्मत जरूरी

खाना और रोजमर्रा के सामान पहुंचाने वाली कंपनी स्विगी के सफल आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के कुछ दिन बाद प्रोसस के मुख्य निवेश अधिकारी एर्विन टू और ग्रोथ इन्वेस्टमेंट (भारत और एशिया) प्रमुख आशुतोष शर्मा ने सुरजीत दास गुप्ता के साथ वीडियो बातचीत में भारत और भारत से इतर अपनी रणनीति के बारे में बताया। स्विगी में प्रोसस सबसे बड़ी शेयरधारक है और नैस्पर के बहुलांश निवेश वाला यह विश्व के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी निवेश समूह में से एक है।



एर्विन टू



आशुतोष शर्मा

बीते तीन वर्षों में स्टार्टअप कंपनियों में निवेश को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और रणनीति व फोकस पर फिर से सोचने की जरूरत है। प्रोसस ने भारत में इसे कैसे प्रबंधित किया?

एर्विन टू: भारत हमारे चार प्रमुख क्षेत्रों में से एक रहा है और आगे भी रहेगा। हमने देश के कई संभावनाशील उद्यमों में 8 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जिनमें स्विगी की हमारी हाल की सफलता शामिल है। भारत हमारे वैश्विक निवेश पोर्टफोलियो का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला हिस्सा है। कुछ भी हो हमारा लक्ष्य इस मॉडल की सफलता को दुनियाभर में दोहराने का है।

आने वाले वर्षों में भारत में किस तरह के निवेश की उम्मीद कर रहे हैं?

एर्विन: हर साल निवेश बढ़ेगा। हमने साल 2021 में भारत में बिलडेस्क के सौदे में 4.7 अरब का अब तक का सबसे बड़ा निवेश सौदा देखा। हालांकि, यह पूरा नहीं हो पाया। मगर हम भारत के लिए कोई खास रकम निर्धारित नहीं करते हैं।

क्या रूस-यूक्रेन संकट से आपकी निवेश रणनीति प्रभावित हुई है?

एर्विन: फरवरी 2022 में जब युद्ध छिड़ गया तो हमने बड़े निवेश कम कर दिया। लेकिन अपने उद्यम कारोबार के जरिये शुरुआती स्तर के निवेश जारी रखे। ऐसा इसलिए था क्योंकि हमने उस स्तर पर बेहतर जोखिम-प्रतिफल का अनुपात देखा था। भारत में भी यही स्थिति थी। पिछले साल यह मुख्य तौर पर हमारे पोर्टफोलियो को ठीक करने को लेकर था।

क्या प्रोसस ने भारत में अपना सेक्टर फोकस बदल दिया है?

आशुतोष शर्मा: कुछ विकास हुआ है। भारत काफी विविधतापूर्ण देश है और जिस तरह से आप और हम खरीदारी करते हैं वह कस्बाई और छोटे शहरों में रहने वाले ग्राहकों के खरीदारी करने के तौर-तरीकों से काफी अलग है। हमने सफलता की यही स्थिति मीशो के साथ भी देखी है। अब हम यह देख रहे हैं कि वित्तीय प्रौद्योगिकी, मोबिलिटी और कॉमर्स जैसे इलाकों में 20 से 30 करोड़ भारतीयों के लिए आगे क्या होने वाला है।

स्विगी का आईपीओ आपके लिए कितना सफल रहा?

आशुतोष: हमने स्विगी में करीब 1.3 अरब डॉलर का निवेश किया। फिलहाल उसका मूल्यांकन 4 अरब डॉलर से अधिक हो गया है और शानदार रिटर्न मिल रहा है। आंशिक निकासी के बाद भी हम उसके सबसे बड़े शेयरधारक बने हुए हैं। मेकमा-यट्रिप और फ्लिपकार्ट के बाद यह भारत में तीसरी ऐसी कंपनी है, जिससे हम बाहर निकले हैं।

क्या आपको दीर्घावधि निवेश पसंद है?

एर्विन: हमने 20 साल से अधिक तक टैंसेंट में निवेश रखा है। दीर्घावधि निवेश शक्तिशाली निवेश रणनीति होती है। लेकिन इसमें धैर्य की जरूरत है और कभी-कभी अच्छी कंपनी तलाशने में थोड़ी किस्मत भी होना जरूरी है।

प्रोसस कंपनियों में अल्पांश हिस्सेदारी और बोर्ड में सीट क्यों लेती है?

एर्विन: हमारा लक्ष्य वैश्विक स्तर पर अपने निवेश में पर्याप्त हिस्सेदारी रखने का है, चाहे वह भारत हो या ब्राजील, रोमानिया या पोलैंड क्योंकि हमारे पोर्टफोलियो का शुद्ध संपत्ति मूल्य करीब 160 अरब डॉलर है (बाजार पूंजीकरण 95 अरब डॉलर)। छोटी हिस्सेदारी से इसमें कुछ फायदा नहीं होता है। अगर हम किसी कंपनी को पसंद करते हैं तो हमारे लिए बेहतर यही होगा कि हम अधिक से अधिक शेयरों के साथ हिस्सेदारी रखें। इसके अलावा, बोर्ड में शामिल होने का मतलब यह कतई नहीं होता है कि हम प्रभाव जमाना चाहते हैं, लेकिन हमारी मंशा रहती है कि हम बेहतर सलाह दे सकें।

KINETIC TRUST LIMITED
Registred Office: 527R, 2nd Floor, City Tower, Ludhiana, Punjab
Corporate Office: 1406, 16 Vikram Tower, Rajendra Place, New Delhi-110008
EXTRACT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED 30th SEPTEMBER, 2024

Sl.	PARTICULARS	For the QUARTER ENDED As On 30.09.2024	Corresponding 3 Months ended in the previous Year as on 30.09.2023	Previous Year Ending 31.03.2024
		Unaudited	Unaudited	Audited
1	Total Income from Operations (net)	-	-	48.30
2	Net Profit / (Loss) For the period before tax (beforeExtraordinary items)	(7.37)	(3.98)	13.32
3	Net Profit / (Loss) For the period before tax (afterExtraordinary items)	(7.37)	(3.98)	13.32
4	Net Profit / (Loss) For the period after tax (afterExtraordinary items)	(7.37)	(3.98)	9.19
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising profit / (Loss) for the period (after tax) and other comprehensive income (after tax)]	(7.37)	(3.98)	9.19
6	Equity share capital @ Rs. 10/- each	336.00	336.00	336.00
7	Reserve (excluding Revaluation Reserves as per balance sheet of previous accounting year)	-	-	-
8	Earnings Per Share (of Rs. 10 each) (before extraordinaryitems)			
	Basic :	(0.11)	(0.12)	0.27
	Diluted :	(0.11)	(0.12)	0.27

Notes :
1. The above is an extract of the detailed format of quarterly financial results filed with the BSE under regulation 33 of the SEBI (Listing and other disclosure requirements) Regulations, 2015. The full format of the quarterly financial results are available on the Stock Exchange Website.
2. Corresponding figure of previous Period have been recast/regrouped whenever considered necessary to correspond to current period classification.
3.Status of Investor complaints during the quarter Opening Nil, Received-Nil and Balance-Nil.
4. The above results were taken on record by the Board of Directors in their meeting held on Thursday the 14th November 2024.
5. Impact of Net Profit/Loss, total Comprehensive income or any other relevant items due to changes in accounting policies - Nil.
6. Exceptional and or Extra Ordinary Items adjusted in the statement of Profit and Loss in accordance with accounting Standard -Nil.

FOR KINETIC TRUST LIMITED
Sd/-
Date: 14th November 2024 Rajesh Arora
Place: New Delhi Director

वैश्विक होटल ब्रांड का रास्ता हो रहा आसान

रोशनी शेखर
मुंबई, 8 दिसंबर

पिछले दो दशक में देश के होटल क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखा गया है और अब यहां वैश्विक होटल ब्रांड जैसे कि मैरियट इंटरनैशनल और हयात होटल्स अब सामान्य नाम बन चुके हैं। हालांकि वर्ष 2000 के दशक से पहले ऐसे हालात नहीं थे। लेकिन एक वर्ष पुरानी सूचीबद्ध होटल परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां जैसे कि सामही होटल्स और जुनिपर होटल्स ने देश में अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के लिए रास्ता तैयार किया।

भारतीय होटल परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों और वैश्विक ब्रांड के बीच साझेदारी से इस क्षेत्र में विशेषज्ञता बढ़ने के साथ ही स्थानीय स्तर पर इस क्षेत्र के सलाहकारों, डिजाइनरों, आर्किटेक्ट और परियोजना प्रबंधकों की तादाद भी बढ़ी है।

सामही होटल्स सितंबर 2023 में सूचीबद्ध हुई थी और इसने बाजार में खुद को एक प्रमुख खिलाड़ी के तौर पर स्थापित किया है। गुड़गांव की कंपनी ने हाल में मैरियट इंटरनैशनल के साथ साझेदारी की घोषणा करते हुए देश में तीन नई प्रॉपर्टी बनाने की बात कही जिसमें कुल 568 कमरे की इन्वेंट्री होगी।

सामही होटल्स के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आशिष जखनवाला ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से कहा, 'अब तक हमने तीन होटल कंपनियों, मैरियट इंटरनैशनल, आईएचजी (इंटरकॉन्टिनेंटल होटल्स ग्रुप) और हयात होटल्स के साथ साझेदारी की है। इन तीन कंपनियों में हमने विभिन्न मूल्यों पर 8 ब्रांडों के साथ साझेदारी की है।'

सामही के राजस्व में बड़ी हिस्सेदारी मैरियट ब्रांड की होटल प्रॉपर्टी का है। इसकी सालाना रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी की होटल से मिलने वाली कुल आमदनी में मैरियट ने वित्त वर्ष 2024 में 64.78 फीसदी का योगदान दिया। फिलहाल यह 32 होटल चलाती है और इसके खाते में 4943 कमरे हैं। मैरियट की ताजा साझेदारी से बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड में ट्रिब्यूट तथा वेस्टिन और हैदराबाद के हाइटेक सिटी में डब्ल्यू होटल बनेगा। सराफ होटल्स और हयात होटल्स के बीच रणनीतिक साझेदारी वाला जुनिपर होटल्स लंबे समय से सराफ परिवार और हयात होटल्स कॉरपोरेशन के प्रवर्तक प्रित्जकर परिवार के बीच सहयोगात्मक रिश्ते का प्रतिनिधित्व करता है।

चंडीगढ़ संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा सी/ओ रेगस चंडीगढ़, हार्मनी लेवल 4, टावर-ए, गोदरेज इटर्निया प्लॉट नं. 70, इंडस्ट्रियल एरिया 1, चंडीगढ़-160002 से प्रकाशित एवं इम्प्रेशंस प्रिंटिंग ऐंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं.-22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला-134115, हरियाणा से मुद्रित
संपादक : कैलाश नौटियाल आरएनआई नं. CHAHIN/2008/24509 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स - 033-22101599
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिजनेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं